# बैंक उतना ही लोन दें, कारोबार के लिए जितना जरूरी : मुख्य सचिव

## मनोज सिंह की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि बैंकों को लोन आवेदनों का गहन परीक्षण करना चाहिए और जरूरी सुधार के साथ केवल उतना ही लोन स्वीकृत करना चाहिए, जितना आवेदक के कारोबार के लिए जरूरी हो। यदि लोन राशि जरूरत से कम स्वीकृत की जाती है, तो न केवल आवेदक व्यवसाय को पूरी क्षमता से चलाने में असमर्थ होगा, बल्कि बैंकों को लोन वसूली में भी कठिनाई हो सकती है।

बुधवार को बैंक ऑफ बड़ौदा के गोमतीनगर स्थित बड़ौदा हाउस में बैठक की सह-अध्यक्षता बैंक के कार्यपालक निदेशक व एसएलबीसी के अध्यक्ष लाल सिंह ने की। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि वित्तीय समावेशन और क्रेडिट उपलब्धता राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैंकों के सहयोग से प्रदेश में वित्तीय समावेशन में प्रगति हुई है। आज शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग प्रत्येक परिवार और व्यक्ति के पास बैंक खाता है। उन्होंने कहा कि बैंकों द्वारा प्रदेश में जमा-ऋण अनुपात (सीडी रेशियो) को बढ़ाने के साथ ही ऋण प्रवाह और तेज किया जाए।

बीसी सखियों की सफलता पर मुख्य सचिव ने कहा कि इस योजना के तहत बैंकों द्वारा लगभग 50000 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है। बीसी सखी महिलाओं ने 35000 करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन किए, जो बड़ी उपलब्धि है।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के साथ मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने की बैठक। -सूचना